Lecture No.-6

Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-II (H)
Paper-IV
Date:-7-9-20

Behaviourism

Contribution of Watson

वाटसन के व्यवहारवाद के द्वितीयक विशेषताएं

Secondary Feature of Watsonian Behaviourism

वाटसन के व्यवहारवाद के कुछ प्राथमिक या औपचारिक विशेषताओं (Formal Features) के अलावा कुछ द्वितीयक विशेषताएं (Secondary Features) भी है। व्यवहारवाद के एक संपूर्ण एवं संगठित ज्ञान (Well-integrated knowledge) के लिए यह आवश्यक है कि इन द्वितीयक विशेषताओं (Secondary Features) पर भी प्रकाश डाला जाए। इन विशेषताओं को इसलिए भी जानना आवश्यक है कि वाटसन के व्यवहारवाद की अधिकतर आलोचनाएं इन्ही से संबंधित है। कुछ ऐसी विशेषताएं निम्नांकित हैं:-

(1) भाषा विकास (Language development):- वाटसन के अनुसार भाषा विकास शिशुओं के याद्दृच्छिक कंठ साधना या स्वरोच्चारण (vocalization) तथा तुतलाना (babbling) से सीखा गया व्यवहार होता है। इस तरह के सीखना में अनुबंधन (conditioning) के नियम की भूमिका निम्नांकित तीन तरीकों से देखा जाता है।

(i) एक शिशु कई पृथक पदों जैसे - दा, बा आदि को बोलता है। जब वह 'दा' पद को बोलता है और उसे फिर सुनता है, तो उसे वह फिर बोलता है। 'दा' शब्द को सुनना एक अनुबंधित उद्दीपक (conditioned stimulus) हो जाता है जो उसे पुनरावृत्ति

P.T.O

(Repetition) करने के लिए प्रेरित करता है। इस तरह से चक्रिय अनुबंधित अनुक्रिया (circular conditioned Response) स्थापित हो जाता है और शिशु 'दा-दा' या 'बा-बा' (जो एक तरह का तुतलाहट है) बोलने लगता है।

(ii) परिवार के वयस्क सदस्य जैसे- माता-पिता, बड़ा भाई, बहन आदि बच्चे के तुतलाहट वाले आवाज (जैसे- दा-दा, बा-बा, ना-ना) को उनकी उपस्थिति मे दोहराते हैं। यह आवृत्तिय आवाज एक तरह का अनुबंधित उद्दीपक (conditioned stimulus) हो जाता है और शिशु को दोहराने के लिए बाध्य करता है। इस तरह से शिशु वयस्क द्वारा बोले गए पद या शब्द को बोलना सीख लेता है।

(iii) वयस्क सदस्य (adults members) जैसे, माँ शिशु के सामने वस्तु को रखती है तथा उपयुक्त पद को वह दोहराती है। जैसे, माँ एक 'पुरुष' का पुतला या गुड्डा (Doll) को दिखाकर उसके लिए उपयुक्त पद को बोल सकती है। कई बार दोहराने से शिशु के मन में उद्दीपक (गुड्डा या पुतला) तथा बोले गए पद के बीच में संबंध स्थापित हो जाता है।

इससे ~~[illegible]~~ स्पष्ट हुआ की वाटसन ने अनुबन्धन के नियम के आधार पर भाषा विकास (Language Development) को व्याख्या किया है। शारिरिक रूप से विकलांग बच्चे विशेषकर बहरे गूंगे बच्चे भाषा विकास के एक सामान्य स्तर पर पहुँचने में असमर्थ इसलिए रह जाते हैं क्योंकि अनुबन्धन की ये विभिन्न अवस्थाएं ठीक से कार्य नहीं करती है।

Next class